INTRODUCTION OF NEW MINISTERS

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI UMA SHANKAR DIKSH1T) : Mr. Chairman, Sir, I wish to introduce Cabinet Minister, Mr. C. Subramaniam; Ministers of State, Shri H.N. Bahuguna, Shri D. P. Chattopadhyaya, Shri Mohan Dharia...

SHRI BHUPESH GUPTA : (West Bengal) : The prodigal son has come back.

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT :... Shri Shah Nawaz Khan and Shri Ghanshyam Oza. I introduce the following Deputy Ministers :

1. Shri Bedabrata Barua
2. Shri A. C. George
3. Shri Baijnath Kureel
4. Shrimati Sushila Rohatgi
5. Shri B. Shankaranand
6. Shri Dalbir Singh
7. Shri Dharamvir Singh
8. Shri Kedar Nath Singh
9. Shri Balgovind Verma
10. Prof. D. P. Yadav

SHRI BHUPESH GUPTA : Sir, I wish to invite your attention to one thing. The House used to be known as the Council of States. Now it seems to have become the Council of Ministers of State.

RE. RECOGNITION OF BANGLA DESH

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं आपसे एक निवेदन कर रहा हूं और आपके द्वारा सदन के सम्मानित सदस्यों से । मैंने कल भी आपको एक पत्र प्रेषित किया था और आपसे यह मांग की थी कि स्वाधीन बंगला देश और स्वाधीन बंगला देश की सरकार को मान्यता न देकर हमने प्रति दिन हजारों लोगों को वहां से यहां आने पर बाध्य किया । इसलिए जो हमारे पड़ौस में हमारे भाइयों का इस तरह से कत्ल हो रहा है, उनकी सम्पत्ति नष्ट हो रही है, लाखों को तबाह किया जा रहा है, औरतों की इज्जत को लूटा जा रहा है तो यह जो कालिंग एटेन्शन का प्रश्न है वह तो रिफ्यूजी से संबंधित है और इस सारे प्रश्न का एक जुज है, तो मैं चाहूंगा और आप से निवेदन करूंगा कि बंगला देश को मान्यता देने का प्रश्न सर्वप्रथम यहां पर आये और उस पर बहस हो । अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, बंगला देश के संबंध में बहस नहीं करते हैं, तो हम अपने कर्त्तव्य से च्युत होंगे । अगर हम बंगला देश के सवाल को सर्वप्रथम न लें और उसको मान्यता न दिलायें और उसमें एक मिनट की भी देरी करें तो हम अपराधी होंगे । मैं इस संबंध में भारत सरकार को अपराधनी कहता हूं, भारत सरकार को दोषी पाता हूं और आज जो रिफ्यूजी की समस्या पैदा हो गई है वह भारत सरकार की गलत विदेश नीति के कारण पैदा हुई है ।

आप समझ लीजिये । 25 मार्च की बात है जब कि बंगला देश में स्वाधीनता की आग भड़की थी । अगर 20 दिन के अन्दर अन्दर सरकार ने वहां की सरकार को मान्यता दे दी होती तो यहां पर कोई भी रिफ्यूजी नहीं आता । उस समय तक यहां पर केवल 100 आदमी आये थे । लेकिन भारत सरकार ने वहां की सरकार को मान्यता नहीं दी और पाकिस्तान की सरकार ने वहां पर कत्लेआम शुरू कर दिया । वहां के लोग पाकिस्तान सेना के अत्याचारों से आतंकित होकर भारत में शरण लेने के लिए चले आ रहे हैं और इस सब के लिए भारत सरकार दोषी है और पापी है । इसलिए मैं संसद और राज्य सभा के सदस्यों से यह निवेदन करना चाहता हूं कि अगर सदन बंगला देश पर विवाद न करे, मान्यता पर जोर न दे, तो हम सब लोग अपने कर्त्तव्य से च्युत होंगे । मैं सदन के सभी सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि पहले मान्यता के सवाल पर विवाद होना चाहिये, उस पर खुली वोटिंग होनी चाहिये ताकि मालूम हो जाय कि कौन मान्यता देने के पक्ष में हैं और कौन पक्ष में नहीं है (*Interruptions*) मैं वहां से होकर आ रहा हूं और वहां के लोग आंखों में आंसू लाकर कहते हैं कि जिस दिन हमें मान्यता देनी चाहिये